केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 107 रविवार 10 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थानाक्षेत्र के दहलवा चौराहे के पास पांच नवंबर की शाम दुर्घटना में घायल युवक का लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस को दी तहरीर में रामशरन निवासी कलवारी मुरसहकम चनगहिया थाना कलवारी ने लिखा है कि उसका लड़का चंद्र प्रकाश कन्नौजिया बाइक से रिश्तेदारी में गया था। पांच नवंबर शाम 6रु30 बजे घर वापस आ रहा था। वह दहलवा चौराहे के पास पहुंचा कि सामने से लापरवाही व तेज रफ्तार से कार चलाते हुए राहुल यादव निवासी गोविंदापुर थाना कलवारी आ रहे थे।

उन्होंने बेटे की बाइक में ठोकर मार दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल बेटे को एंबुलेंस से कलवारी सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए महामाया मेडिकल कॉलेज अंबेडकरनगर रेफर कर दिया। वहां भी इलाज हुआ लेकिन हालत नाजुक ही बनी रही। चिकित्सक ने वहां से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस बाबत थानाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के जखनी गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन शव को दाह संस्कार के लिए ले जा रहे थे। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताया जाता है कि पुलिस ने कुछ लोगों को इस मामले में हिरासत में भी लिया है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के जखनी गांव निवासी लाल 30 वर्ष की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उसके शरीर और गले पर चोट के निशान पाए जाने की बात बताई जा रही है। परिजन सब को दाह संस्कार के लिए ले जा रहे थे, लेकिन कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। आशंका है कि लाला की मौत पिटाई से हुई है। कोतवाल का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

एक दिवसीय रोजगार मेला 11 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय/ माडल कॅरियर सेन्टर एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व कौशल विकास मिशन बस्ती के संयुक्त तत्वावधान एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन दिनांक 11 नवम्बर 2024 दिन सोमवार को पूर्वाह्न 10.00 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मुड्घाट रोड बस्ती में किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने बताया कि इस मेले में दो प्रतिष्टित कंपनिया भारत शीट लिमटेड कम्पनी मशीन आपरेटर पद पर पुरुष व महिला दोनों वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए जिनका वेतनमान कुल–13500 रूपया निर्धारित, योग्यता (12 पास व आई०टी०आई पास) है व दूसरी कम्पनी उत्कर्ष स्माल फाईनेंस बैंक केवल पुरुषो के लिय, जिनके पास मोटर बाइक/वैलिड ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य होगा, निर्धारित योग्यता (स्नातक पास) कलेक्शन ऑफिसर पदों हेतु जिनका वेतनमान कुल–17700 रूपया है, कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से भर्ती करने हेतु आ रही है।

उन्होने यह भी बताया है कि अन्य सुविधाए भी जैसे–भारत शीट लिमटेड कम्पनी मे कर्मचारी पीएफ आदि कटौती सहित, दो समय का खाना, दो समय का लंच आदि व दूसरी कम्पनी उत्कर्ष स्माल फाईनेंस मे इंसेंटिव व बाइक एलाउंस व स्थानीय जगह पर काम आदि प्राप्त होंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा के साथ उक्त स्थान, तिथि व समय पर निःशुल्क प्रतिभाग कर सकते है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगाई भ्रष्ट अधिकारियों की सूचीः होगी जांच

लखनऊ (आभा)। यूपी में भ्रष्ट अफसरों की अब खैर नहीं है। उनकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश भर से राज्य कर विभाग के सबसे भ्रष्ट और खराब छवि वाले अधिकारियों की लिस्ट मंगाई है। प्रमुख सचिव राज्य कर एम देवराज ने इस संबंध समीक्षा बैठक के दौरान सभी जोनल आयुक्तों और संयुक्त आयुक्तों को निर्देश दिए। हर जिले में सचल दल और विशेष जांच दल (एसआईबी) के एक–एक सर्वाधिक भ्रष्ट अफसर के नाम मांगे गए हैं।

प्रमुख सचिव एम देवराज ने जोनवार समीक्षा करते हुए यूपी के सभी अपर आयुक्त ग्रेड–1 और अपर आयुक्त ग्रेड–2 (एसआईबी) को निर्देश दिए कि एसआईबी और सचल दल के सबसे भ्रष्ट और खराब छवि वाले अफसरों के नाम बताएं। उन्होंने परफार्मेंस के आधार पर भी लिस्ट मांगी है। इसे लेकर उन्होंने एसआईबी और सचल दल के लिए मानक भी जारी कर दिए हैं। इन मानकों पर खरा न उतरने वाले अधिकारियों की लिस्ट बनेगी। सबसे खराब प्रदर्शन वाले एक–एक अधिकारी का नाम शासन के पास भेजा जाएगा।

सबसे भ्रष्ट, खराब छवि और प्रदर्शन वालों की लिस्ट मांगे जाने के बाद अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। विभागों में इसे लेकर काफी चर्चा है। कहीं उनका नाम लिस्ट में न आ जाए इसे लेकर अधिकारी चिंता में हैं। कई लोगों का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में पहले से जांचें जारी हैं। हर साल अधिकारियों की गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में भी इसका जिक्र किया जाता है। लेकिन सबसे ज्यादा भ्रष्ट और सबसे खराब प्रदर्शन कैसे तय होगा। टैक्स कलेक्शन की स्थिति, केस प्रोफाइल की गुणवत्ता, रिपोर्ट भेजने और उसके स्तर की गुणवत्ता, वाहन चेकिंग के सापेक्ष टैक्स केस ईवे बिल स्क्रैनिंग और टैक्स कलेक्शन, 50 हजार से कम के बिलों का संकलन व टैक्स कलेक्शन का असर आदि बिन्दुओं पर जांच के बाद प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

15 दिवसीय माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वर्ष 2024–25 मण्डलीय खादी ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द, पिकौरा बक्स बस्ती में 15 दिवसीय माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद–सन्त कबीर नगर एंव सिद्धार्थनगर का शुभारम्भ जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद सन्त कबीर नगर के 20 एवं सिद्धार्थनगर के 05 कुल 25 लाभार्थी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के कार्यालय प्रमुख दुर्गा प्रसाद द्वारा विभागीय माटीकला एंव अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में वृहद रूप से प्रशिक्षण की आवश्यकता, उसकी उपयोगिता तथा महत्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही यह भी बताया गया की 15 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रत्येक लाभार्थी को छात्रवृत्ति के रूप में 3750.00 रूपये डी०बी०टी० के माध्यम से सीधे बैंक खाते में प्रेषित की जायेगी।

प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों को अनुमन्य सभी सुविधाएँ मुहैया करायी जायेंगी। साथ ही उन्हें माटीकला के क्रियात्मक व सैद्धान्तिक प्रशिक्षण भी दी जायेगी। इसके अलावा विभिन्न विभागों के वक्ताओं के द्वारा विभिन्न विषयों पर लेक्चर के माध्यम से जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र कुमार द्वारा अपने उद्बोधन में लाभार्थियों को लगन एंव मेहनत से प्रशिक्षण प्राप्त करने एंव जानकारी ग्रहण करने के सम्बन्ध में बताया गया।

दिल्ली से आयी अर्टिजन श्रीमती शालनी सिंह द्वारा माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण के बारे में विशेष रूप से लाभार्थियों को जानकारी दी गयी। अन्त में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सेवायोजना अधिकारी बस्ती द्वारा अपने उद्बोधन में लाभार्थियों को सतत रूप से प्रशिक्षण में बताये जाने वाले सभी बातों की ध्यान लगाकर सीखने व ग्रहण करने हेतु कहा गया। साथ उनके द्वारा यह भी बताया गया की आज कल बाजार में माटीकला के विभिन्न जैस मिट्टी का तावा, मिट्टी का कूकर, मिट्टी का कड़ाही इत्यादि किचन का सामान उपलब्ध हैं। यदि आप सभी लाभार्थी नये टूल किट्स से मिट्टी के सामान बनायेंगे, तो इससे आपका उत्पादन बढ़ेगा और लाभ भी अधिक होगा।

पाक में आत्मघाती विस्फोट से 26 की मौत, 46 घायल

कराची (आभा)। पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को हुए आत्मघाती विस्फोट में मृतकों की संख्या 26 तक पहुंच गयी है और अन्य 46 घायल हो गए। इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में एक बालिका विद्यालय और अस्पताल के पास हुए बम विस्फोट के एक सप्ताह बाद हुई है जिसमें पांच बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पिछले साल आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में तेज वृद्धि देखी गई है। क्वेटा प्रशाग के आयुक्त हमजा शफकत ने मरने वालों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि यह घटना एक आत्मघाती विस्फोट है। उन्होंने कहा कि प्रशासन रेल सेवाओं को रद्द करने के लिए रेलवे अधिकारियों को पत्र लिख रहा है। 'डॉन न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने विस्फोट की जिम्मेदारी ली है।

आपरेशन कायाकल्प से परिषदीय विद्यालयों में सुविधाएं बढ़ी–महेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया ब्लॉक के जनप्रतिनिधियों एवं प्रधानाध्यापकों का ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं गोवंश संरक्षण संगोष्ठी विशेश्वरगंज बाजार स्थित एक मैरेज हाल में बीएसए अनूप कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को सम्पन्न हुई। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि गो सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि विक्रमजोत के ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यशाला के आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी दुबौलिया विजय आनंद के नेतृत्व में अतिथियों का स्वागत किया गया।

–ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला, गोवंश संरक्षण संगोष्ठी में विमर्श

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्राम प्रधान एवं शिक्षक समन्वय स्थापित कर विद्यालय के विकास एवं शिक्षा को आगे बढ़ने का प्रयास करें। कहा कि कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों में सुविधाएं बढ़ी हैं और गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। गाय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गाय के दूध का विशेष महत्व है। व्यक्ति में संस्कार विकसित हो इसके लिए गौ सेवा जरूरी है। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि जनप्रतिनिधि और शिक्षक मिलकर विद्यालयों को बेहतर बनाएं। बीएसए ने कहा कि हम सभी को अपने विद्यालय में इंफ्रास्ट्रक्चर और पठन–पाठन को लेकर इस तरह कार्य करना है ताकि हमारे दायित्वों पर कोई प्रश्न ना लगा पाए और यह जनप्रतिनिधियों और प्रधानाध्यापकों के आपसी समन्वय से ही संभव है। कार्यशाला के आयोजक खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद ने डीबीटी, शारदा, विद्यालय प्रबंध समिति, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, आईसीटी लैब, बालिका शिक्षा, स्मार्ट क्लास आज के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों और प्रधानाध्यापकों को अतिथियों द्वारा अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवपूजन आर्य ने किया।

इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी राजेश त्रिपाठी, डीसी अमित मिश्र, एसआरजी अंगद पाण्डेय, दिनेश सिंह, रंजन सिंह, रामपाल, बलवंत सिंह, घनश्याम पाण्डेय, अभिषेक त्रिपाठी, विनोद कुमार मिश्र, महेश कुमार, शारदा मिश्रा, पुष्पा देवी, नम्रता सिंह, शैलेंद्र सिंह, बटुकधार द्विवेदी, अनिल त्रिपाठी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, महेंद्र लाल, धर्मेंद्र कुमार, अरविंद सिंह, सूर्यनारायण, जंग बहादुर, अनिल सिंह, अनिल ठाकरे आदि उपस्थित रहे ।

नोटबंदी, जीएसटी गरीबों, किसानों को खत्म करने का हथियारः राहुल गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना

जमशेदपुर (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है, जिसमें एक तरफ इण्डिया गठबंधन है और दूसरी तरफ भाजपा और आर.एस.एस. है। जो क्रमशः प्रेम और नफरत में विश्वास रखते हैं। भाषण के दौरान जब झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने गांधी को बताया कि 'अजान' चल रही है, तो इसके बाद गांधी ने अपना भाषण दो मिनट के लिए रोक दिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जमशेदपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हम हर गरीब व्यक्ति के लिए 15 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा की योजना लेकर आ रहे हैं, जिससे आप बेहतर से बेहतर अस्पताल में अपना इलाज करवा सकेंगे।' उन्होंने बताया कि हमारी सरकार बनने पर किसानों को धान के लिए 3200 रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिलेगा।

गांधी ने रैली में कहा, 'नरेन्द्र मोदी की नीतियां देश में बेरोजगारी फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं। नोटबंदी और जीएसटी देश के गरीबों, किसानों और मजदूरों को खत्म करने के हथियार हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि, 'भाजपा–आरएसएस जाति, धर्म और भाषा के आधार पर देश को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस भारत के संविधान की रक्षा करना चाहती है जबकि भाजपा–आरएसएस इसे नष्ट करने पर तुले हुए हैं।'

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूंजीपतियों को धन मुहैया कराने का आरोप लगाया और कहा कि बदले में ये पूंजीपति विदेशों में पैसा निवेश करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वे मोदी को हराएंगे और जनता के कल्याण के लिए काम करेंगे।

पारदर्शी ढंग से हो मतदाता सूचियों में पंजीकरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त/रोल प्रेक्षक अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण– 2025 के संबंध में बैठक आयोजित की गयी, जिसमें संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा अधिकारीगण उपस्थित रहें। मण्डलायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची में पंजीकरण का कार्य पूरी पारदर्शी तरीके से किया जाय। उन्होंने राजनीतिक दलों से कहा कि अगर कही पर भी कोई समस्या हो तो तत्काल अवगत कराया जाय। मण्डलायुक्त ने यह भी कहा कि ऐसे नागरिक जो 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हो या उससे पूर्व ही पूर्ण कर चुके हो, वे अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करा सकते है। इस कार्य हेतु उन्होंने कहा कि विद्यालय/कालेज के प्रधानाचार्यो का प्रशिक्षण कराया जाय, जिससे विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का मौके पर ही मतदाता सूची में पंजीकरण कराया जा सकें।

उन्होने कहा कि मतदाता सूची में पंजीकरण हेतु विशेष अभियान तिथिया 09 नवम्बर दिन शनिवार, 10 नवम्बर दिन रविवार, 23 नवम्बर दिन शनिवार, 24 नवम्बर दिन रविवार को अपने–अपने बूथों पर जाकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से करा सकते है। उन्होने सभी एआरओ को निर्देश दिया कि मतदाता सूची को अद्यतन करते हुए सुस्पष्ट रखें। बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, एसडीएम शुक्रुन पाठक, शाहिद अहमद, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष सिंह, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें। बैठक के उपरान्त मण्डलायुक्त/ रोल प्रेक्षक अखिलेश सिंह ने बस्ती सदर के अन्तर्गत विकास प्राधिकरण भवन में स्थापित आदर्श पोलिंग बूथ, शिवहर्ष किसान पीजी कालेज में स्थापित पोलिंग बूथ एवं ताड़ीजोत पोलिंग बूथ तथा कप्तानगंज के नकटीदेई प्रा.विद्यालय पोलिंग बूथ, प्रा. विद्यालय कप्तानगंज पोलिंग बूथ का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

भाजपा संगठनात्मक चुनाव की कार्यशाला में तैयारियों पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय को भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अथिति के रूप में भाजपा के प्रदेश मन्त्री एवं जिला चुनाव अधिकारी शंकर लाल लोधी जिला सह चुनाव अधिकारी राम सिंगार ओझा व आनन्द सिंह कलहंस ने चुनाव सम्बन्धी मार्गदर्शन किया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने किया। जिसमे बूथ अध्यक्ष एवं बूथ समिति, संगठनात्मक चुनाव से सम्बंधित विधान व नियमावली की विशेष चर्चा, चुनाव की पूर्व व पूर्ण योजना बनाने के आवश्यक निर्देश दिये गये।

जिला चुनाव अधिकारी शंकर लाल लोधी ने कहा बूथ समिति के चुनाव 15 नवंबर से प्रारंभ होकर 30 नवंबर के मध्य संपन्न होंगे। बूथ समिति चुनाव के बाद मंडल और जिला संगठन के चुनाव होंगे। इसके पूर्व सभी मंडलो में 11 नवम्बर से 15 नवम्बर तक मंडलो की बैठके होनी है जिसके लिए मण्डल चुनाव अधिकारी की घोषणा की गई। जिला चुनाव अधिकारी ने कहा यह संगठनात्मक चुनाव पूरी तरह से निष्पक्षता और व्यवस्थित रूप से होगी।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा मण्डल की कार्यशाला सार्वजनिक स्थान गरिमामयी वातावरण के साथ केन्द्र नगर कस्बा में करनी है। कार्यशाला में मण्डल में निवास करने वाले वरिष्ठ नेता, मण्डल के पदाधिकारी, शक्तिकेन्द्र चुनाव अधिकारी आपेक्षित है।

कार्यक्रम का संचालन अमृत कुमार वर्मा ने किया। इस मौके पर यशकांत सिंह, पवन कसौधन, अनूप खरे, जगदीश शुक्ल, राजेश पाल चौधरी, , अनिल दुबे, अरविन्द पालदेवेन्द्र सिंह, राकेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, बाल कृष्ण तिवारी पिन्टू, रोली सिंह, अश्वनी उपाध्याय, चन्द्र शेखर मुन्ना, केडी चौधरी, ब्रह्म देव यादव देवा, अखण्ड प्रताप सिंह, मानस भूषण राम त्रिपाठी, कुंवर आनन्द सिंह, कृष्ण कुमार दुबे, देवेन्द्र सिंह, आशीष शुक्ल, दिलीप पाण्डेय, राजकुमार शुक्ल, वैभव पाण्डेय, कुन्दन लाल वर्मा, दुष्यंत विक्रम सिंह, सुनील सिंह, विद्या मणि सिंह, अभिषेक कुमार, सहित मण्डल अध्यक्ष मण्डल महामंत्री एवं मण्डल सदस्यता प्रमुख मौजूद रहे।

भाजपा नेता ने किया बभनान नगर पंचायत में कराये जा रहे घटिया निर्माणों के जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी गौर के पूर्व मण्डल अध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने शनिवार को जिलाधिकारी को पत्र और अपर जिलाधिकारी से मिलकर बभनान नगर पंचायत के वार्ड नं. 10 सुभाषनगर में घटिया सामग्री से सी.सी. रोड निर्माण एवं दीन दयाल नगर सोसायटी रोड पर नाली का घटिया निर्माण कराये जाने की शिकायत किया । श्याम बहादुर सिंह ने मांग किया कि निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कराने के साथ ही धन की रिकवरी कराया जाय। साथ ही नये सिरे से दोनों सड़कों का निर्माण कराया जाय।

भाजपा नेता श्याम बहादुर सिंह ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अपर जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराकर प्रभावी कार्यवाही का आश्वासन दिया है। डीएम और एडीएम को दिये गये पत्र में कहा गया है कि बभनान नगर पंचायत में निर्माण कार्यों में व्यापक मनमानी की जा रही है, निर्धारित मानकों का खुला उल्लघंन किया जा रहा है। घटिया सी.सी. रोड और नाली निर्माण का नागरिकों को कोई लाभ नहीं मिलेगा, वह शीघ्र ही ध्वस्त हो जायेगी और सरकारी धन का दुरूपयोग होगा। मांग किया कि नगर पंचायत के वार्ड नं. 10 सुभाषनगर में घटिया सामग्री से सी.सी. रोड निर्माण एवं दीन दयाल नगर सोसायटी रोड पर नाली का घटिया निर्माण के साथ ही अन्य निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन कराकर जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कराते हुये मानक के अनुरूप निर्माण कराये जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 नवम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

बढ़ती मंहगाई और तंत्र

अभी दीपावली और छठ पर्व पर मंहगाई ने लोगों की कमर तोड़कर रख दिया है। मंहगाई एक जटिल समस्या है, जो वस्तुओं और सेवाओं को महँगा कर देती हैं। क्रेता वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करने के लिए पहले कि अपेक्षाकृत अधिक मूल्य चुकाने के लिए बाध्य होता है। अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की खबरें सबको अच्छी लगती हैं, लेकिन अगर इस चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने–पीने के सामान में भी कटौती करनी पड़े, तब यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है! अन्य जरूरी सामान के साथ–साथ खाद्य पदार्थों की चढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था, लेकिन इस बीच पिछले कई महीनों से सब्जियों के दाम लगातार इस स्तर पर बने हुए हैं कि लोगों की थाली से सब्जियां भी गायब रहने लगी हैं। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और अनाजों की खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ जाता है।

गौरतलब है कि बुधवार को जारी एक एजंसी की ताजा रपट के मुताबिक शाकाहारी थाली की कीमत में एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में बीस फीसद तक की बढ़ोतरी हो गई है। दरअसल, कम आय वर्ग के लोगों के लिए पिछले कई महीनों से खाने–पीने का सामान सहजता से खरीदना मुश्किल ही था। मगर अब स्थिति यह हो गई है कि ऐसे लोग अक्सर दिख जाते हैं, जो बाजार में सब्जियों की कीमतें पूछते हैं और बिना खरीदे मायूस मन के साथ आगे बढ़ जाते हैं। रपट के मुताबिक, अक्तूबर में प्याज की कीमतें सालाना आधार पर छियालीस फीसद बढ़ीं, जबकि आलू के दाम में इक्यावन फीसद का इजाफा हुआ। इसी तरह, टमाटर के भाव उनतीस रुपए प्रति किलोग्राम से आगे बढ़ते हुए एक वर्ष पहले की समान अवधि के मुकाबले चौंसठ रुपए प्रति किलोग्राम हो गए। टमाटर सौ रुपए प्रतिकिलो या इससे ज्यादा भाव पर भी बिका। अन्य कई हरी सब्जियां भी आमतौर पर अस्सी या सौ रुपए प्रति किलो बिक रही हैं।

भोजन की थाली में सब्जियां एक तरह का संतुलन बनाती हैं। अब इनके लगातार महंगे बने रहने का असर दालों की कीमतों पर भी पड़ा है। सच यह है कि महंगाई एक दुश्चक्र की तरह लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और एक समय तात्कालिक कारणों से बाजार में उतार–चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं।

एक समय कई बार लोग कुछ समय तक समझौता करके महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। लेकिन अब महंगाई में निरंतरता की वजह से संतुलित भोजन पहुंच से बाहर हो रहा है। एक ओर, रिजर्व बैंक महंगाई को काबू में रखने के लिए कुछ कदम उठाता रहता है, तो दूसरी ओर सरकार आए दिन लोगों को भरोसा देती रहती है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी–रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या–क्या होनी चाहिए। ज्यादातर लोगों की आय में कमी होने या काम–धंधे में मंदी की स्थिति कायम रहने की वजह से उनकी क्रयशक्ति लगातार सिकुड़ती गई है।

मूल्य घटने कि बजाय बढ़ने कि प्रकृति के कारण महंगाई को भी सकारात्मक महंगाई के रुप में देखा जाना हमारी प्रवृत्ति हो गई है और महंगाई का अर्थ भी महँगा होने से ही लगाया जाने लगा है। कई मामलों में सामान की खरीदारी में कटौती की आंच अब थाली तक भी पहुंच चुकी है। यह एक दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। हालत यह है कि निम्न मध्यवर्गीय परिवारों के लिए भी खाने–पीने के सामान की कीमतें पहुंच से बाहर हो रही हैं। ऐसे में देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।

जम्मू– कश्मीर में राजनीति के बदलते सन्दर्भ

– ललित गर्ग–

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात–घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप–मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोड़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू–कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़–चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू–कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन–सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत–सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू–कश्मीर को जाति, धर्म एवं स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे है। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू–कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए।

विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू–कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया।

नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रुख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं। मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टुकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है।

अनुच्छेद 370 को लेकर कश्मीर की जनता और राजनेताओं, दोनों को समझना ही होगा कि 70 साल तक विशेष दर्जा होने के बावजूद इससे राज्य का कोई बहुत भला नहीं हुआ। देश की मूल धारा से कटकर यह प्रांत अंधेरों से घिरा रहा है। हिंसा एवं आतंकवाद की त्रासदी को झेलते हुए विकास एवं शांति की बाट जोहता रहा है। अब विशेष दर्जा हटाने का राज्य को बहुत लाभ मिला है, वहां विकास एवं जनकल्याण के काम तेजी से हो रहे हैं, न केवल विकास योजनाएं आकार ले रही है, बल्कि वहां शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना है, आतंकवादी घटनाओं पर भी नियंत्रण किया जा सका है। मोदी की सरकार ने जम्मू–कश्मीर के विकास को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया है। देश के साथ दुनिया को यह संदेश दिया गया कि कश्मीर में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं, कश्मीर भारत का ताज है और हमेशा रहेगा।

घाटी के राजनीतिक दलों को वहां के अवाम के हित में सोचना चाहिए। क्योंकि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से राज्य का कोई नुकसान हुआ, ऐसा नहीं दिखता। इसलिए जम्मू–कश्मीर को अब ऐसी राजनीति की जरूरत है, जो विशेष दर्जे से इतर तरक्की का नया खाका खींचे। अनुच्छेद 370 का खत्म होना इसलिये ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि वहां के लोगों ने साम्प्रदायिकता, राष्ट्रीय–विखण्डन, आतंकवाद तथा घोटालों के जंगल में एक लम्बा सफर तय करने के बाद अमन–शांति, सौहार्द एवं विकास को साकार होते हुए देखा है। उनकी मानसिकता घायल थी तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। जम्मू–कश्मीर में शांति और सौहार्द के साथ लोकतंत्र और विकास की नई इबारत लिखी गयी है। जम्मू–कश्मीर को अशांत और संवेदनशील क्षेत्र बनाए रखने की कोशिश में लगे तत्वों एवं राजनीतिक दलों से सावधान रहने की जरूरत है, भले ही वे नेशनल कॉन्फ्रेंस हो या पीडीपी या अन्य पाकिस्तान परस्ती राजनीतिक दल।

कैसे हो सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

–प्रो. सुखदेव सिंह–

भारत एक विशाल देश है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत भी उतनी ही अद्वितीय और विशाल है। हालांकि, यह विरासत प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 (2010 में संशोधित) के तहत कानूनन संरक्षित राष्ट्रीय और राज्य महत्व की कुछ चयनित इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें देश के प्राकृतिक संसाधन, कला, शिल्प और ज्ञान भी शामिल हैं, जो कानूनी रूप से असंरक्षित हैं। देश की प्रगति और शहरीकरण के कारण यह तेजी से नष्ट हो रही है, न कि प्राकृतिक आपदाओं या उम्र बढ़ने के कारण। इसलिए, इस सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए केवल सरकारी प्रयासों के बजाय लोगों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है।

सर्वप्रथम, 'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए लोगों का सहयोग आवश्यक है क्योंकि वे ही इसके वास्तविक उत्तराधिकारी और मालिक हैं। दूसरा, लोगों की भागीदारी से सांस्कृतिक विरासत उनके जीवन से जुड़ी रहती है और इसके उपयोग तथा सामाजिक–आर्थिक गतिविधियों में एकीकृत होती है। तीसरा, यह रखरखाव और संरक्षण प्रयासों को लागत प्रभावी, किफायती और टिकाऊ बनती है। चौथा, यह भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक मतभेदों को देखते हुए विभिन्न ज्ञान स्रोतों को एकीकृत कर स्थानीय और प्रामाणिक शिल्प कौशल को प्रोत्साहित करता है।

भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत, जो ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यधिक विविध है, को केवल ए.एम.एस.आर. अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित नहीं किया जा सकता। इस अधिनियम के तहत केवल 100 वर्ष या उससे पुरानी इमारतें और स्मारकीय स्थल संरक्षित किए जाते हैं, जिनमें से कई सरकारी स्वामित्व में हैं। हालांकि, संरक्षण की प्रक्रिया महंगी और सीमित है, और प्राकृतिक क्षय के अलावा अन्य दबावों के कारण देश की विशाल सांस्कृतिक धरोहर खतरे में है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और स्थलों का संरक्षण करता है, जबकि राज्य पुरातत्व विभाग क्षेत्रीय महत्व के स्मारकों की देखभाल करता है। अन्य सांस्कृतिक धरोहरों को पुरावशेष और कला खजाना अधिनियम, 1972 के तहत विनियमित किया जाता है। हालांकि, इन प्रयासों का दायरा सीमित और महंगा है, इस स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

वर्ष 1972 के यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन के बाद, सांस्कृतिक विरासत की समझ में महत्वपूर्ण बदलाव आया। जिसमें महलों और स्मारकों के साथ–साथ आम घरों, दुकानों और दैनिक उपयोग की इमारतों को भी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा माना जाने लगा। ये संरचनाएं समुदायों की प्रचलित परंपराओं और जीवनशैली को दर्शाती हैं, और शहरी सड़कों, बाजारों तथा चौराहों के रूप में एक 'सांस्कृतिक परिदृश्य' भी बनाती हैं।

सांस्कृतिक विरासत, चाहे वह आलीशान स्मारकों की तरह महत्वपूर्ण हो, फिर भी 'असुरक्षित' है और शहरीकरण, आधुनिकीकरण तथा विकास नीतियों के दबाव में लगातार खतरे में है। इसे संरक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान, मौजूदा नीतियों में संशोधन और स्थानीय सरकारों द्वारा 'विरासत नियमों' का निर्माण आवश्यक है। इसके अलावा, प्राचीन वास्तुकला या सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर इमारतों और स्थलों की सूची तैयार करना और 'विरासत यात्रा' जैसे प्रयासों को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

विरासती इमारतों, स्थानों और कलाकृतियों की सूची 'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत की पहचान, संरक्षण और वकालत के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा संग्रह हो सकती है, जो अनुसंधान और राष्ट्रीय रजिस्टर का आधार बने।

इन स्थलों को महत्व के अनुसार वर्गीकृत करना, राज्य और स्थानीय सरकारों द्वारा 'विरासत नियमों' के निर्माण में मददगार होगा। 'हेरिटेज वॉक' योजना से लोग सांस्कृतिक स्थलों से जुड़ सकते हैं और विरासत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह स्थानीय शिल्प, होटल और सेवा उद्योगों में रोजगार उत्पन्न करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर सकता है।

सांस्कृतिक विरासत की अवधारणा 'जीवित विरासत' पर आधारित है, जिसमें वस्तुकला, शिल्प, सामाजिक संस्कृति और प्राकृतिक पर्यावरण आपस में जुड़े होते हैं। इस दृष्टिकोण में 'अतीत', 'वर्तमान' और 'भविष्य' एक निरंतरता का हिस्सा हैं। सांस्कृतिक विरासत को प्रकृति से अलग करना अव्यावहारिक है, क्योंकि मानव संस्कृति प्रकृति से प्रेरित है और इसे अनुकरण करती है।

'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए 27 जनवरी, 1984 में इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इनटैक) एक गैर–सरकारी स्वतंत्र सदस्य–आधारित संगठन, की स्थापना की गई, जो नागरिकों को शामिल कर इमारतों की सूची बनाने, हेरिटेज वॉक आयोजित करने और विरासत नियमों की वकालत करता है। इनटैक असुरक्षित सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए ज्ञान, प्रौद्योगिकी और कौशल विकसित कर इसे एक मॉडल के रूप में जमीनी स्तर पर लागू कर रहा है। यह अन्य संगठनों और व्यक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय पूरक बनने के लिए काम कर रहा है।

अंधविश्वास की अंधी डगर

–संजीव ठाकुर–

भारतीय समाज एक बहुभाषी, बहु सांस्कृतिक, बहुजातीय, बहु धार्मिक समाज है। एक नजर में इसकी प्रगाढ़ता और इसके विराट स्वरूप को समझना अत्यंत कठिन है। भारतीय समाज की गहरी और विशाल संरचना को, उसके विभिन्न आयामों को समझना हमारे लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी। हमारा समाज एक विशिष्ट और उत्कृष्ट समाज है, जो अनेक संस्कृतियों, रीति–रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और जीवनशैली में गुथा हुआ है। रोजमर्रा की जीवन शैली में भारतीय समाज की विशिष्ट पहचान दृष्टिगोचर होती है। यह समाज जहां अपनी पुरातन अंधविश्वासी रुढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ा है, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक विकास के साथ अग्रसर होने की चाह में आगे बढ़ रहा है। भारतीय समाज रुढ़िवादिता और आधुनिकता के विकास के बीच अंतर्द्वंद में फंसा हुआ है। एक और भारतीय समाज पश्चिम से प्रेरित होकर भौतिकता की चकाचौंध के पीछे भाग रहा है वहीं दूसरी तरफ अपनी पुरातन आध्यात्मिक परंपराओं का भी बखूबी निर्वाहन करने का प्रयास भी कर रहा है। किंतु समाज में यह अंतर्द्वंद बना हुआ है कि वह योग को अधिक महत्व दे अथवा भोग को, इससे इतर भारतीय समाज आश्चर्यजनक रूप से दोनों को अपनाते हुए आगे की ओर अग्रसर है। भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नई परिभाषाएं लिख रहीं है वही देश में शिशु लिंगानुपात हर जनगणना में घटता जा रहा है। सामाजिक कुरीतियों में कमी तो आई है पर महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और यौन अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हमारे समाज में बेटियां नाम कमा कर माता–पिता का नाम रोशन तो तेजी से कर रही हैं पर भ्रूण हत्या की दरों में अनावश्यक तेजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। यही अंतर्विरोध ही समाज को चिंतनीय भी बना रहा है। सबसे ताजा खबरों में हरनाज संधु ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है, और देश का नाम ऊंचा कर गौरव हासिल किया है। भारतीय लड़कियों ने फैशन में एक नया मुकाम बनाया है आज आधुनिक पेंट, जींस पहन कर लड़कियां आगे बढ़ने को आतुर है। दूसरी तरफ खानपान में जहां भारतीय पारंपरिक व्यंजन डोसा, सांभर, इडली, पंजाबी ,मसालेदार भोजन ग्लोबल स्तर पर छा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पारंपरिक भोजन ही कर रहे हैं हमने पिज्जा, पास्ता, मैक्सिकन, इटालियन, चाइनीस और कॉन्टिनेंटल फूड को भी आमजन का खाद्य पदार्थ बनाया हुआ है। भारतीय समाज रुढ़िवादी संस्कारों को पूरी तरह निभाने का प्रयास कर रहा है दूसरी तरफ लिव इन रिलेशनशिप में युवक युवतियां महानगरों में बड़े आराम से जीवन जी रहे हैं। रुढ़िवादिता तथा पश्चिम के खुले पन और उन्मुक्त होता का एक फ्यूजन तैयार हो रहा है। हमारा समाज आधुनिक अनश्वर को अपनाता है वहीं नवीन वैज्ञानिक पद्धति को भी अपना रहा है और नवयुग की ओर आकर्षित हो रहा है। दूसरी तरफ अपने पारंपरिक दार्शनिक धार्मिक मूल्यों जैसे ज्ञान, भक्ति, कर्म मार्ग, अवतारवाद, पुनर्जन्म, आस्था तथा मोक्ष की अवधारणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर अभी भी आस्थावान है। धर्म तथा अध्यात्म का आकर्षण कम होने के स्थान पर ज्यादा हुआ है। धार्मिक स्थलों के बढ़ते निर्माण धर्म गुरु के सत्संग, प्रवचन, पूजन, भजन ,कीर्तन, अजान ,अरदास, उपवास, रोजा, तीर्थ स्थलों, दरगाह पर भारी भीड़ यह सब सिद्ध करते हैं कि भारतीय समाज आधुनिक होने के साथ–साथ अंधविश्वास और रुढ़िवादिता पर भी विश्वास रखता है।

बर्थडे पार्टी मनाकर लौट रहे युवकों पर फायरिंग, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोण्डा। शहर के गांधी पार्क स्थित एक होटल में जन्मदिन मनाकर निकले युवकों पर बाइक और कार से आए दबंगों ने शुक्रवार रात कई राउंड फायरिंग की। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से पूरा इलाका थर्रा उठा। चीख – पुकार व गोली चलने की आवाज को सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। जिन्हें देखकर आरोपी मौके से भाग निकले। वहीं मौके से पुलिस ने एक जिंदा कारतूस व एक कारतूस का खोखा बरामद किया है। मामले में पीड़ित युवक की तहरीर पर नगर कोतवाली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के काशीपुर निवासी राघवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ राजन सिंह पुत्र दिवेश सिंह ने कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज करवाया है। तहरीर के अनुसार शुक्रवार वह रात साढ़े 8 राघवेन्द्र शहर के गाधीपार्क के सामने स्थित रेस्टोरेन्ट में अपने साथी अंश गुप्ता के जन्मदिन में शामिल होने आया था। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर पहले काली स्कार्पियों से दो–तीन राऊंड लगाकर दबंगों ने उसके बारे में जानकारी इकठ्ठा की। उसके बाद एक स्कूटी से आरोपी अंकित सिंह, विशाल सिंह व अर्पित पाण्डेय और उसके पीछे काली स्कार्पियो से शिवम सिंह आ गये। आरोप है कि अंकित व विशाल के हाथ में पिस्टल थी। अंकित ने जान से मारने की नियति से पीड़ित पर फायर कर दिया। आरोप यह भी है कि इस दौरान विशाल व अर्पित अभद्रता करते हुए कह रहे थे कि शिवम ने कहा है कि जान से मार देना, बाकी हम देख लेंगे। पीड़ित ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचायी। फिलहाल, पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामला दर्ज कर लिया है। नगर कोतवाल मनोज पाठक ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है, जल्द ही आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा।

सड़क हादसे में बालक समेत तीन की मौत, एक की हालत नाजुक

संवाददाता—बहराइच। शनिवार को ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद आरोपी तालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई।

हादसा रिसिया थाना क्षेत्र के गोदनी बसाही गांव के पास सुबह 9 बजे हुआ। मूल रूप से मटेरा थाना क्षेत्र निवासी कुछ लोग छठ पूजा के लिए जिला मुख्यालय आए थे। पूजा के बाद शनिवार की सुबह बाइक से घर लौट रहे थे।

इसी समय सरिया मिल फैक्ट्री के सामने नानपारा की ओर से आलू लदा ट्रक आ रहा था। ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। मौजूद लोगों की मदद से सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों की पहचान गुलाब (30), आदित्य (10) और दादी लालती (45) के रूप में हुई है। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। थानाध्यक्ष दद्दन सिंह ने बताया कि हादसे में तीन की मौत हुई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थानों में आयोजित किया गया समाधान दिवस, लोगों की शिकायतें सुनी

संवाददाता—श्रावस्ती। शनिवार को सभी थानों में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सिरसिया थाने में समाधान दिवस की अध्यक्षता की। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर उनके निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता की ओर से प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेकर तुरंत मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर कार्रवाई करें और उसकी शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को फोन आदि के माध्यम से कार्यवाही के बारे में सूचना दें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, थानाध्यक्ष सिरसिया, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, बीट निरीक्षक, बीट कांस्टेबल सहित फरियादी मौजूद रहे।

अद्भुत संत थे स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज –जगतगुरु कुरेशाचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी कुरेशाचार्य महाराज के संयोजन में स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज की 13 वीं पुण्यतिथि पर ऋण मोचन घाट स्थित संत गोपाल मंडपगम में रामनगरी के संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि श्री महाराज जी रामनगरी के सिद्ध संत थे जो निरंतर ठाकुर जी की भजन करते रहते थे और भजन करने के साथ ही भजन करने का उपदेश दिया करते थे, आज उन्हीं के आशीर्वाद से उनके शिष्य स्वामी कुरेशाचार्य महाराज निरंतर संत सेवा, गौ सेवा, विद्यार्थी सेवा श्री अवध धाम में कर रहे है। सेवा के साथ–साथ उन्होंने विशाल आश्रम का निर्माण कर करके गुरुदेव भगवान के सपनों को साकार किया है। स्वामी कुरेशाचार्य महाराज ने बताया कि स्वामी संतगोपालाचार्य जी महाराज अद्भुत संत थे और मेरा पूरा जीवन उन्हीं के बताए हुए रास्ते और आशीर्वाद से चल रहा है। स्वामी जी के बताए हुए सभी नियम का पालन करना ही मेरा कर्तव्य है और आज उन्हीं के आशीर्वाद से संत गोपाल मंडपम में ठाकुर जी विराजमान हुए हैं। इस अवसर पर जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य, मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जगतगुरु स्वामी अनंताचार्य, जगतगुरु स्वामी सूर्यनारायणाचार्य, महंत जन्मेजय शरण, महामंडलेश्वर नरसिंह दास, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास स्वामी कृपाचार्य महाराज, जयराम दास,संत एमबी दास सहित सैकड़ो संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी अतिथियों का स्वागत जगतगुरु कुरेशाचार्य महाराज ने किया।

रीपर की चपेट में आया खेत में लेटा युवक, मौत

संवाददाता—महराजगंज। चौक थाना क्षेत्र के ग्राम सोनबरसा के सीवान में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। कटे धान के खेल में चल रही रीपर मशीन की चपेट में खेत में लेटा एक शख्स आ गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शनिवार को सोनबरसा गांव के शिव मंदिर से दक्षिण तरफ ड्रेन के किनारे कंबाइन मशीन से कटे धान के खेत में रीपर मशीन चल रही थी। सब कुछ सामान्य था कि इसी बीच मशीन चालक को रीपर के ब्लेड में कुछ भारीपन महसूस हुआ। उसने पीछे मुड़कर देखा तो उसके होश उड़ गए। रीपर के ब्लेड में एक शख्स फंसा हुआ था। आनन–फानन में ट्रैक्टर बंद कर जब उसने उस शख्स को देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। उसका शरीर रीपर के ब्लेड से क्षत–विक्षत हो चुका था।

ग्रामीणों का कहना है कि मृत युवक विक्षिप्त लग रहा था। शुक्रवार को वह धान का खेत कंबाइन मशीन से कटा था। हो सकता है कि वह घूमते–घूमते खेत में पहुंचा हो और वहीं सो गया हो। ट्रैक्टर चालक ने उसे देखा नहीं और यह हादसा हो गया। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शैलेन्द्र कुमार शुक्ला, एसओ ने कहा कि रीपर से कटकर एक शख्स की मौत हुई है। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी स्कूलों को बंद करने के विरोध में आप का हल्ला बोल

संवाददाता—महराजगंज। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को हल्ला बोल कार्यक्रम किया। कलक्ट्रेट परिसर में जुटे कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में 27 हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना को लेकर आई खबरों को लेकर प्रदर्शन किया। कहा कि यह प्रदेश सरकार द्वारा 2020 तक बंद किए गए 26 हजार स्कूलों के बाद नया कदम है, जो सरकार की नीतियों का खुलासा करता है। कहा कि यह सीधे तौर पर गरीब, दलित व पिछड़े वर्ग के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ जैसा है। प्रदर्शन करने के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने खूब नारेबाजी की। कहा कि प्रदेश सरकार जान–बूझकर सरकारी विद्यालयों के पास निजी विद्यालयों को मान्यता देने व उन्हें खोलने की नीति अपना रही है ताकि सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या कम हो और उन्हें बंद करने का रास्ता तैयार हो। कहा कि सरकारी विद्यालयों

के पास निजी विद्यालयों की अनुमति देना ही उचित नहीं है क्योंकि नियमानुसार एक किमी की परिधि में ऐसे निजी विद्यालयों को मान्यता नहीं दी जा सकती है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि हर ब्लाक के ऐसे विद्यालयों को चिह्नित कर कार्रवाई हो, जो सरकारी विद्यालय के पास स्थित हैं और गलत तरीके से खोले गए हैं। जिलाध्यक्ष रामकुमार पटेल की अगुवाई में प्रदर्शन कर रहे पूर्व जिलाध्यक्ष पशुपति नाथ गुप्ता, मुकेश राज गुप्ता, जाहिद अली, रवि प्रजापति, विनोद मौर्या का कहना रहा कि 27 हजार सरकारी विद्यालयों को बंद करने का फैसला गलत है। इससे न केवल छात्रों की शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, बल्कि इससे योग्य शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे। सरकारी शिक्षा का ढांचा कमजोर होने के साथ सामाजिक असमानता और आर्थिक विषमताओं को बढ़ावा मिलेगा। कार्यकर्ताओं ने इस पर तत्काल रोल लगाने और सरकारी विद्यालयों को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है ताकि छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले और शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित रहे।

ब्लाक परिसर बाइक व टुल्लू पंप चोरी

संवाददाता—गोण्डा। ब्लॉक परिसर से शुक्रवार शाम को मोटरसाइकिल व रात में टुल्लू पंप चोर खोल ले गए। जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की है। मौके पर पहुंची पुलिस जांच व पड़ताल में जुटी। इटियाथोक थाना क्षेत्र के रायपुर ब्रह्मचारी निवासी वरदान एक आवश्यक कार्य से खंड विकास कार्यालय मोटरसाइकिल से आए हुए थे। मोटरसाइकिल परिसर में खड़ी कर ब्लॉक कार्यालय में चले गए और वहां से वापस आए तो परिसर में मोटरसाइकिल नहीं मिली। इसी प्रकार रात में खंड विकास अधिकारी अभय सिंह के आवास में लगा टुल्लू पंप चोर खोल ले गए। जिसकी सूचना पीड़ित वरदान व ब्लाक कर्मचारियों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच व पड़ताल शुरू की। इस संबंध में चौकी प्रभारी आर्यनगर राजेश कुमार दुबे ने बताया कि बीते दिवस ब्लॉक परिसर से एक मोटरसाइकिल व रात में बीडीओ आवास से टुल्लू पंप चोरी होने सूचना मिली, जिस पर मौके पर पहुंचकर मामले की जांच व पड़ताल की जा रही है।

श्री अयोध्या नाथ मंदिर के संस्थापक को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री अयोध्या नाथ मंदिर के संस्थापक स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज की 13 वीं पुण्यतिथि पर संतों महंतों ने अर्पित की भाव रूपी श्रद्धांजलि। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन मंदिर के वर्तमान महंत भरत प्रपन्नाचार्य महाराज के संयोजन में अयोध्या नाथ मंदिर में आयोजित की गई जिसमें संतों महंतों ने कहा कि स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज ने अयोध्या नाथ मंदिर की स्थापना करके निरंतर गौ सेवा संत सेवा करते रहे आज उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए उनके शिष्य स्वामी भरत प्रपन्नाचार्य महाराज मंदिर की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

स्वामी भरत प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि हमारे गुरुदेव भगवान संत थे और निरंतर ठाकुर जी की भजन करते रहते थे उनका मानना था ठाकुर जी की सेवा के साथ संत सेवा गौ सेवा नर सेवा ही जीवन को मोक्ष की तरफ ले जा सकता है यही कारण है कि वह अयोध्या में सेवा को ही सबसे अधिक महत्व दिए और जब हम लोगों को उपदेश देते थे तो सेवा की ही बात करते थे यही कारण है कि आज मंदिर प्रांगण में निरंतर सेवा का कार्य चल रहा है और यह सब ठाकुर जी हनुमान जी महाराज के साथ गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर श्री महाराज के शिष्य पुष्कल आचारी ने सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, बड़ा भक्तमाल के महान अवधेश कुमार दास जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, परमहंस आश्रम उत्तराधिकारी महंत गोविंद दास, बैकुंठ धाम आश्रम के महंत जगतगुरु रामानुजाचार्य श्याम नारायण आचार्य, महंत माधवाचार्य, महंत राम मिलन दास, महंत राम कुमार दास महंत अयोध्या दास सहित सैकड़ो संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वर्दी पहनकर 8 साल से बना रही थी भौकाल, पुलिस ने फर्जी दरोगा को पकड़ा

संवाददाता—देवरिया। एक असली पुलिसवाले के सामने एक फर्जी महिला दरोगा का राज सिर्फ एक झलक में खुल गया। यह फर्जी महिला दरोगा पिछले आठ साल से खाकी वर्दी पहनकर भौकाल बनाती थी। देवरिया की खामपार पुलिस ने भिंगारी बाजार से फर्जी महिला दरोगा को तब पकड़ा जब वह एक शख्स की बाइक पर पीछे बैठकर कहीं जा रही थी। फर्जी महिला दरोगा वर्दी में थी। बाजार में तैनात एक पुलिसवाले ने वर्दी वाली को बाइक पर देखा तो उसे कुछ शक हुआ। उसने बाइक रोककर पूछताछ की और फिर देखते ही देखते पूरा मामला खुल गया। इसके बाद पुलिस ने फर्जी महिला दरोगा को हिरासत में ले लिया।

फर्जी महिला दरोगा ने पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ सालों से वर्दी पहनकर भौकाल बनाती थी। वह खामपार थाना क्षेत्र के ही एक गांव की रहने वाली है। फर्जी महिला दरोगा के साथ एक व्यक्ति भी पकड़ा गया है जो बाइक से उसे लेकर जा रहा था। दोनों से पुलिस ने पूछताछ की।

पूछताछ के बाद बांड भरवाकर छ फर्जी महिला दरोगा से पूछताछ के बाद खामपार पुलिस ने उसके ख़िलाफ़ सरकारी वर्दी के दुरुपयोग का केस दर्ज कर लिया है। महिला से बांड भरवार कर पुलिस ने उसे छोड़ दिया।

महिला की पहचान खामपार थाना क्षेत्र के ग्राम निशनिया पैकौली की रजनी दुबे पत्नी प्रभुनाथ दुबे के रूप में हुई है। वह पिछले कई वर्षो से वर्दी पहनकर फर्जी दरोगा बनकर काम कर रही थी। थानाध्यक्ष खामपार महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि फर्जी दरोगा बन कर घूम रही महिला के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर वर्दी जब्त कर ली गई है। बांड भर के उसे बेल दिया गया है।

12 सौ मेधावियों को पूर्व सांसद ने किया सम्मानित

संवाददाता—गोण्डा। नन्दिनी कालेज के स्टेडियम में शनिवार को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 के नवें चरण में पयागपुर और विशेश्वरगंज ब्लॉक के मेधावी छात्र–छात्राओं को पूर्व सांसद बृज भूषण शरण के द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में दोनों ब्लाक के 18 विद्यालयों के 1200 मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। गोमाता नन्दिनी के प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के बाद विभिन्न स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम से समारोह की शुरुआत हुई। समारोह के बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व सांसद ने मौजूद छात्र – छात्राओं को अनेकों दृष्टान्त के जरिए जीवन में सफल होने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन पूरी तरह से जागते रहने का समय है, इस समय अगर आप गफलत में सो गए तो लक्ष्य से काफी दूर रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने सभी मनुष्य को समान रूप प्रतिदिन चौबीस घंटे का समय प्रदान किया है और इसी समय का सदुपयोग करके लोग जीवन में ऊंचाई हासिल कर लेते हैं। पर जो समय की कीमत को पहचान नहीं पाते वे बाद में बहुत पछताते हैं। सम्बोधन के बाद सभी मेधावी बच्चो को क्रमवार मंच पर आमंत्रित करके सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रमुख पयागपुर समय प्रसाद मिश्रा, सूबेदार मेजर अनंग पाल सिंह, प्राचार्य डा बीएल सिंह, डा एम के सिंह, डा अजय मिश्रा,डा देवानंद तिवारी, डा सुनील तिवारी,डा शत्रुघन सिंह, डा श्यामजी मिश्रा, डा राकेश सिंह,डॉक्टर प्रमोद सिंह, कमलेश सिंह पयागपुर, सोनू सिंह, पिंकल सिंह समेत नन्दिनी के अनेक शिक्षक रहे। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन डा नवीन सिंह ने किया।

चोरी गया लोहे का 3.38 कुंतल सामान बरामद

संवाददाताबहराइच। एक लोहे का सामान बनाने वाली बड़ी दुकान से लोहे के एंगल आदि लगातार चोरी हो रहे थे। एक पिकप चालक की सूचना पर सामान लोड करने के दौरान पहुंचे कारोबारी ने चोरी गए सामान को पहचान थाने में सूचना दी। पुलिस ने पिकप व घर में छिपाए गए 3.38 कुंतल लोहे का सामान बरामद कर लिया। चोरी व बरामदगी की धाराओं में एक को नामजद कर जेल भेज दिया गया है। सुजौली थाने के चफरिया निवासी श्री निवास उर्फ जांगदे पुत्र बृज मोहन की बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान है। उनकी दुकान से रोजाना लोहे के एंगिल चोरी हो रहे थे। चोर पकड़ में नहीं आ रहा था। न ही इसकी सूचना थाने में दी गई थी। छह नवम्बर को एक पिकप चालक पिंटू कश्यप ने श्रीनिवास को बताया कि गांव के ही विनोद ने 7 नवम्बर की भोर चार बजे लोहा लादने को बुलाया है। वह सुबह चार बजे आकर देख ले कि कहीं उनकी दुकान से चोरी गया लोहा तो नहीं है। श्रीनिवास पिंटू की जानकारी पर अगले दिन सुबह चार बजे पहुंचा। पिकप में लोड हो रहे लोहे को पहचान कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दबिश देकर पिकप व विनोद के घर में छिपा कर रखा गया लोहा का चोरी गया सामान बरामद किया। श्री निवास की तहरीर पर चोरी व बरामदगी की धाराओं में केस दर्ज कराया। थानाध्यक्ष हरीश सिंह ने बताया कि चोरी का माल बरामदगी में चोरी व बरामदगी की धाराओं के तहत केस दर्ज कराया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा जीव का उद्धार करती है –आचार्य श्रवण कुमार मिश्रा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।व्याकरण विभागाध्यक्ष श्री परशुराम शिव पंचायतन मंदिर दुर्वासा आश्रम के मुख्याधिष्ठाता कथा आचार्य श्रवण कुमार मिश्र एमी आलापुर, रसूलाबाद में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन सत्र में व्यास पीठ से बताया कि रुक्मिणी के पिता भीष्मक समुद्र के अवतार रुक्मिणी लक्ष्मी का अवतार और रुक्मिणी का भाई रुक्मी विष का अवतार था इसलिए वह कृष्ण और रुक्मिणी के विवाह में बाधक बन रहा था रुक्म का अर्थ स्वर्ण होता है, रुक्मिणी का रूप तपाये हुए स्वर्ण के समान था कृष्ण भी काले थे परंतु उनकी आभा स्वर्ण के समान थी। कृष्ण और रुक्मिणी का विवाह तीन प्रकार से हुआ। पहला प्रेम संदेश के द्वारा गान्धर्व विवाह,दूसरा अपहरण के द्वारा राक्षस विवाह और तिसरा विधि विधान पूर्वक शास्त्रीय विवाह,प्रेम एक तरफा नहीं अपितु दो तरफा होता है। आचार्य श्री ने बताया कि कथा हमेशा प्रेरणा देती है और यह संदेश भी देती है कि व्यक्ति को अपने जीवन में कैसे व्यक्तित्व को जीना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा एक कथा नहीं है बल्कि मनुष्य को अपने धर्म और कर्तव्य के पालन की शिक्षा देती है, जहां श्रीमद् भागवत कथा सुनने से लोगों का उद्धार होता है वही श्रीमद् भागवत कथा व्यक्ति के विकास और राजनीति सूझबूझ की भी शिक्षा देती है यही कारण है कि हमारे पूर्वजों ने मनुष्य को जीवन में एक बार श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने की शिक्षा दी जिससे उसके द्वारा किए गए जीवन में पाप कर्म नष्ट हो जाएंगे और आने वाली पीढ़ी भी शिक्षा लेकर के अपने जीवन को आगे बढ़ाएगी। श्रीमद् भागवत कथा श्रोता और भक्त दोनों का उद्धार करती है। भगवान कृष्ण और रुक्मणी का विवाह ग्राम वासियों ने धूमधाम से मनाया कथा के अंत में आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

आए और हस्ताक्षर बनाकर चले गए, खानापूर्ति रहा प्रशिक्षण

संवाददाता—गोण्डा। मुजेहना ब्लॉक में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना के तहत दिया गया प्रशिक्षण महज खानापूर्ति तक सिमट कर रह गया है। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना के तहत महत्वपूर्ण घटकों की जानकारी के लिए जिले के विकास खंडों के ग्राम प्रधानों, पंचायत सहायकों, समूह की सक्रिय सदस्यों को एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है। ताकि जल जीवन मिशन से उपयोगी जानकारी दी जा सके। लेकिन प्रधान प्रशिक्षण में रुचि नहीं ले रहे हैं। जहां पर महिला प्रधान हैं उनके परिजन आये हस्ताक्षर बनाकर चलता बने हैं। इसकी चर्चा जोरों पर रही। इससे प्रशिक्षक भी परेशान रहे लेकिन वह भी खानापूर्ति कर चले गए हैं। मुजेहना ब्लॉक की 58 ग्राम पंचायतों को दो चरणों में विभक्त करते हुए शुक्रवार से प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो महज खानापूर्ति तक सिमट कर रह गया है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी प्रधानों की उपस्थिति महज दिखावा बन कर रह गई। प्रधान अथवा प्रतिनिधि आये दस्तखत बनाया किट लिया और चले गए जबकि महिला ग्राम प्रधान प्रशिक्षण में नहीं आईं, इनकी संख्या न के बराबर रही।

शनिवार को मुजेहना ब्लॉक सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में पंचायत सहायक व समूह की सक्रिय सदस्यों की भागीदारी रही। लेकिन प्रधानों की मौजूदगी नगण्य रही। हालांकि प्रशिक्षक के तौर पर कंसल्टिंग इंजीनियर प्रतिभा सिंह व मास्टर ट्रेनर केके श्रीवास्तव रहे। जहां पर प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण में पानी का बचत करने पर बल दिया। प्रतिभा सिंह ने कहा कि पानी को बर्बादी रोकने के लिए जल जीवन मिशन की शुरुआत की गई है। उन्होंने आगाह किया कि अगर पानी नहीं बचाओगे तो आने वाले समय में गटर का गंदा पानी पीना पड़ेगा।इस लिए बचत की शुरुआत अभी से शुरू करें।

महंत अवधेश कुमार दास ने किया चिकित्सा सेवा शिविर का शुभारंभ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी में परिक्रमा मार्ग श्री राम नेत्रालय के बगल श्री सेवा संस्थान द्वारा कैंप लगाकर 14 कोसी परिक्रमा करने वाले परिक्रमार्थियों की की गई सेवा। सेवा से गदगद हुए परिक्रमार्थी, कैंप में दवा और मरहम पट्टी की व्यवस्था की गई श्री सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी ने स्वयं अपने हाथों से पट्टी बांधकर सेवा की। निशुल्क दवा सेवा के साथ विश्राम और गर्म पानी की भी व्यवस्था की गई थी जिससे परिक्रमा करने वाले लाखों श्रद्धालुओं को काफी आराम मिला। सेवा शिविर का शुभारंभ संरक्षक गिरीश पति त्रिपाठी की अध्यक्षता में बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास ने किया। आचार्य रणंजय शास्त्री ने वैदिक मंत्रों के साथ राम लला और हनुमान लला का पूजन किया। सेवा शिविर में शनिवार शाम 2 बजे से लेकर रविवार शाम चार बजे तक रहेगा जिसमें लाखों श्रद्धालुओं की सेवा दवा मरहम पट्टी विश्राम व्यवस्था और गर्म पानी से की गई।

संस्था के अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी ने बताया कि शिविर में भक्तों का प्राथमिक उपचार कराया गया, इसके साथ ही फल का वितरण किया गया। संस्थान के उपाध्यक्ष महंत अवधेश दास ने कहा कि अक्षय नवमी के दिन भक्तों की सेवा करना हमारे लिए हर्ष का विषय है। भगवान की कृपा से आज हम राम भक्तों की सेवा कर रहे है। महासचिव ओंकार पांडेय ने बताया कि संस्था की ओर से आठ वर्षो से परिक्रमा मार्ग पर राम भक्तों के लिए सेवा शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में सचिव बृजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि संरक्षक शैलेंद्र मणि पांडेय,उमेश तिवारी, उपकार मेडिकल के डॉ ओपी तिवारी, भानु प्रताप सिंह,डॉ अभिषेक पांडेय, गुप्ता मेडिकल स्टोर और जानकारी हर्बल स्टोर प्रमुख सहयोगी रहे जिन्होंने तन मन धन से सहयोगी की भूमिका निभाई, साथ ही साथ रमाशंकर तिवारी, विनय पांडेय, राजेश वर्मा, धर्मवीर दूबे, सौरभ शुक्ला, संतोष सिंह, राम शंकर यादव उर्फ टीन्नू ,डॉ रोहित मिश्रा, महंत गजेंद्र दास,संजय श्रीवास्तव, यशोदा सिंह, डॉ ओपी श्रीवास्तव, केसरी आचार्य, बद्री पांडेय, भागवत पांडेय, महेंद्र शुक्ला पार्षद, हरिप्रसाद इंद्रजीत, मोनू पांडेय, गोपाल कृष्ण, अमित पांडेय, अजीत पांडेय, राकेश तिवारी, पीयूष गुप्ता,राम नंदन दास समेत अनेक लोग शिविर में 24 घंटे भक्तों की सेवा करते रहे।

पंचायत सचिवालय पर लटकता मिला ताला

संवाददाता—गोण्डा। ग्राम पंचायत सचिवालय पर कर्मचारियों के न आने से ताला लगा रहता है। जिससे ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। शनिवार को ग्राम पंचायत सचिवालय पर ग्राम प्रधान रमेश चौरसिया व रोजगार सेवक शिवकुमार के पहुंचने पर ताला लगा रहा।

व्यापारी हत्याकांड का आरोपी सैफ पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस ने एक बार फिर हॉफ एनकाउंटर किया है। यहां चिलुआताल इलाके में व्यापारी अनिल गुप्ता (उम्र 35 वर्ष) की हत्या के मुख्य आरोपी सैफ को पुलिस ने मुठभेड़ में पैर में गोली मारकर दबोच लिया। घोषीपुरवा का रहने वाला सैफ एक दुकान पर काम करता था। घटना वाली रात व्यापारी अनिल गुप्ता को बाइक पर बैठाकर घर के लिए निकले में शव फेंक दिया था।

घोषीपुरवा निवासी सैफ बरगदवां में अनिल की दुकान के पास ही एक मोबाइल की दुकान पर काम करता है। मंगलवार को आखिरी बार उसके साथ बाइक से ही अनिल को देखा गया है। वह अनिल की दुकान पर उठता बैठता था। उसकी पत्नी भी कपड़े की खरीदारी करने दुकान पर आती थी। सैफ वर्तमान में काफी कर्जदार हो गया था। कर्जदार का पैसे के लिए फोन आने पर उसमें अनिल के गले से चेन लूटने की योजना बनाई और दावत के बहाने साथ ले गया। मॉडल शॉप में बीयर पिलाई और अनिल के घर वाली गली में ले जाकर पेशाब करने को बाइक रोक दिया। व्यापारी अनिल भी पेशाब करने लगा इस दौरान सैफ ने अपने पास मौजूद चाकू से पीछे से उसका गला रेत दिया। हत्या के बाद शव नाले में फेंक कर अनिल के गले से चेन लूट कर फरार हो गया। सीसी टीवी के आधार पर पहचान कर पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया।

नकहा नंबर एक यादव टोला निवासी कपड़ा व्यापारी अनिल गुप्ता (35) का शव बुधवार की सुबह घर से दो सौ मीटर दूर सड़क किनारे नाले में मिला। घरवालों ने पहुंचकर शव की पहचान की। वह मंगलवार को गोरखनाथ इलाके में किसी के घर बर्थडे पार्टी में गया था। रात लगभग दस बजे के करीब अनिल गुप्ता ने मां इंद्रावती को फोन पर दावत के बाद घर आने की जानकारी दी थी। इसके बाद कुशीनगर पड़रौना मायके गई पत्नी जूही को कॉल कर पार्टी में शामिल किसी व्यक्ति से बात कराई थी। रात में 11.22 बजे उसकी भतीजे से बातचीत हुई और 15 मिनट में आने की बात कही थी। इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया था। गोरखपुर के एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि व्यापारी की हत्या में शामिल मुख्य आरोपी सैफ को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। लूट के लिए उसने व्यापारी की हत्या की थी।

डीएपी खाद न मिलने से किसान परेशान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के किसान डीएपी खाद न मिलने से परेशान हैं। गेहूं की बोआई का समय आ गया है लेकिन दुकानों पर डीएपी खाद मौजूद नहीं है। अब किसानों को चिंता सताने लगी है कि गेहूं की बोआई कैसे होगी। ऐसे में क्षेत्र के किसानों ने गोदाम पर डीएपी खाद उपलब्ध कराने की जिला प्रशासन से मांग की है। जनपद में डीएपी खाद की कमी नहीं होने का दावा किया जा रहा है लेकिन हकीकत यह है कि साधन सहकारी समिति, खाद बीज बेचने वाले दुकानदारों के पास डीएपी खाद मौजूद नहीं है। खाद के लिए किसान मारे–मारे फिर रहे हैं। यदि जिले के किसी भी सरकारी गोदाम पर डीएपी खाद आने की सूचना किसानों को मिलती है तो हुए हर काम को छोड़कर वे खाद की जुगत में निकल देते हैं लेकिन वहां तक पहुंचते–पहुंचते खाद गायब हो जाती है। ऐसे में अब किसानों को चिंता सता रही है कि गेहूं की बोआई हम लोग कैसे करेंगे। क्षेत्र के किसान मनीराम, राम प्रकाश पांडेय, भोला पांडेय, अर्जुन प्रसाद, शिवकुमार, विष्णुपति, बबलू, राजेश पाठक समेत अन्य किसानों का कहना है कि सरकारी गोदाम पर जब खाद नहीं है तो प्राइवेट दुकानों पर कैसे उपलब्ध रहेगी। कुछ दुकानदार चोरी से डीएपी खाद बेच रहे हैं। किसान इन दुकानदारों को मनमानी रेट देने को मजबूर हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार पचपोखरी, सिहटीकर, लोहरैया, समदा समेत अन्य स्थानों पर खाद अधिक रेट पर बिक रही है।

प्रेमिका को धोखे से खिलाया जहर, हालत गंभीर

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। प्रेम संबंध में दरार आने पर प्रेमी ने खतरनाक कदम उठा लिया। प्रेमिका को दुकान पर बुलाकर धोखे से जहर खिला दिया। प्रेमिका का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। मामला अकबरपुर नगर के शहजादपुर इलाके का है। अकबरपुर के दोरतपुर रोड के दुकानदार का एक लड़की से प्रेम संबंध है। अरसे से प्रेम संबंध के बावजूद उसने प्रेमिका की जान लेने की कोशिश की। प्रेमिका को दुकान पर बुलाकर धोखे से जहर खिला दिया। हालत खराब होने पर परिजन पहले जिला अस्पताल ले गए। जहां से हालत गंभीर होने के चलते मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है। लड़की का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। लड़के की करतूत की शिकायत अकबरपुर पुलिस से गई है।

लम्बी कूद में मुस्कान, सुनील बने चैंपियन, कबड्डी में रामनगर ने मारी बाजी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रामनगर ब्लॉक की बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों के खेल का आयोजन शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ोखर के परिसर में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह ने किया। प्रतियोगिता के 100 मीटर दौड़ में न्याय पंचायत शंकरपुर के गुलफाम ने प्रथम तथा रामनगर न्याय पंचायत के दीनदयाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बालिका वर्ग दौड़ में न्याय पंचायत बड़ोखर की मुस्कान ने प्रथम तथा न्याय पंचायत घोषण की अंशिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में न्याय पंचायत बड़ोखर के संदीप ने प्रथम तथा न्याय पंचायत नारखोरिया के शमसुद दीन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर बालिका में बड़ोखर की नेहा प्रथम और तुसायर से मुस्कान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

खो–खो बालिका वर्ग में न्याय पंचायत बड़ोखर विजेता तथा नारखोरिया न्याय पंचायत उपविजेता रही। कबड्डी बालक वर्ग में रामनगर न्याय पंचायत विजेता तथा बड़ोखर उपविजेता रहा। लंबी कूद बालक वर्ग में न्याय पंचायत भानपुर के सुनील प्रथम, न्याय पंचायत शंकरपुर के सहनवाज द्वितीय तथा न्याय पंचायत नारखोरिया के अनीश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वही बालिका वर्ग मे तुसायल की मुस्कान ने प्रथम तथा कलंदर नगर की संध्या ने द्वितीय स्थान तथा धोषण की अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए ब्लॉक व्यायाम शिक्षक अनुराग सिंह तथा ब्लॉक स्काउट मास्टर हरिकृष्ण उपाध्याय ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप द्विवेदी ने किया।

इस अवसर पर इंद्रसेन मिश्र, राजेश द्विवेदी, प्रमोद पाण्डेय, रामकांत चौधरी, अभिषेक जायसवाल, विनोद कुमार, अरविंद जायसवाल, विनय गौतम, श्यामसुंदर यादव, विजय कुमार, राजकुमार, अजय वर्मा, राजकांत, अजय वर्मा, करुणेश कुमार, अरविन्द कुमार, जाकिर हुसैन, बबलू शंकर बरई, पंकज कौशल, उमेश वर्मा, पप्पू प्रभाकर, नरेंद्र भारती, सुभाषचंद्र, अनूप सिंह, उमेश वर्मा, धर्मेंद्र चौहान, रामविलास, रोहित कुमार, धीरेंद्र, संजीव कुमार, रामानुज, प्रदीप कुमार, अनिल मौर्य, बिजेंद्र नाथ उपाध्याय, अखिलेश चौधरी, दिनेश कुमार, सुरेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे ।

पहली के रहते दूसरी पत्नी ले आया पति, आपस में भिड़ गईं सौतन, दोनों के झगड़े में बच्ची की मौत

संवाददाता–अयोध्या। दो पत्नियों के बीच हुए झगड़े के बाद एक डेढ़ महीने की मासूम की मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद भी झगड़ा शांत नहीं हुआ। दोनों एक–दूसरे को बच्ची की मौत का जिम्मेदार ठहराती रहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। पूरा मामला थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत तमकीन गंज का है। यहां के रहने वाले निवासी राधेश्याम निषाद की विवाहिता पत्नी भानुमती घर पर रहती है। राधेश्याम बाहर रहकर काम करता है। राधेश्याम का इस दौरान जूही नाम की महिला के साथ संबंध हो गए और उसने शादी कर दी। शादी के बाद दूसरी बीवी से डेढ़ महीने की बेटी पैदा हुई। राधेश्याम फिर सबको लेकर अपने गांव आ गया। बताया गया कि शुक्रवार की शाम जब वह दूसरी पत्नी को लेकर घर पहुंचा तो दोनों पत्नियों में बखेड़ा हो गया। दोनों सौतन एक–दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए मारपीट करने लगीं। मामला शांत नहीं हुआ तो बात पुलिस तक पहुंची।

मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दोनों को शांत कराया, लेकिन दो सौतनों के झगड़े के चलते डेढ़ महीने की मासूम की जान चली गई। बच्ची की मौत के बाद दोनों महिलाएं फिर से आपस में भिड़ गईं और दूसरे को बच्ची की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए हंगामा करने लगीं। जूही ने बच्ची को मारने का आरोप भनुमती पर लगाते हुए घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक सुमित श्रीवास्तव क्षेत्राधिकारी सुरेन्द्र सिंह के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दोनों पत्नियों के आपसी झगड़े के दौरान डेढ़ माह की बच्ची की मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बेकाबू पिकअप पेड़ से टकराकर गड्ढे में पलटी, दो मवेशियों की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के अगया चौराहे के पास शनिवार सुबह एक पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गई। इससे पिकअप में लदे दो बैल पानी में डूब गए और कुछ देर बाद दोनों बैलों की मौत हो गई। पिकअप में बैठे दो लोग चोटहिल हो गए। ड्राइवर बाल–बाल बच गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार यादव ने एसआई उमेश धर द्विवेदी व चंद्रिका यादव के साथ मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। संतकबीरनगर जिले के धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के टोटहा ताल निवासी त्रिलोकी निषाद पुत्र गुलाम निषाद गोंडा जनपद के इटियाथोक से दो बैल खरीद कर खेती के लिए पिकअप से अपने घर ले जा रहे थे। अगया चौराहे के पास सुबह करीब छह बजे ड्राइवर को झपकी आ गई इससे पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पेड़ से टकराकर गड्ढे में पलट गई। गड्ढे में पानी होने की वजह बैल पानी में डूब गए इससे कुछ देर में दोनों बैलों की मौत हो गई। पिकअप में सवार त्रिलोकी निषाद व उनके नाती हीरा को हल्की चोटें आईं।

मुकदमा न दर्ज करने पर बिफरे डीएम, कोतवाल की लगाई क्लास

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में 36 मामले आए। समाधान दिवस में पहुंचे डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने पांच दिन से मुकदमा न दर्ज करने को लेकर कोतवाल को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि थाना नहीं चला सकते तो लाइन चले जाओ। उन्होंने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। लोटन कोतवाली क्षेत्र के खखरा बुजुर्ग गांव निवासी एक व्यक्ति पर बंजर जमीन में कब्जा कर छप्पर बनाने का आरोप लगाते हुए करमहा गांव निवासी दिनेश आदि लोगों ने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र दिया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने हल्का लेखपाल को कब्जे धारक के विरुद्ध केस दर्ज कराने का निर्देश दिया था लेकिन कोतवाल ने केस दर्ज नहीं किया। मुकदमा दर्ज न किए जाने से डीएम नाराज हो गए और कोतवाल को डांट पिलाई। डीएम ने कहा कि अगर थाना नहीं चला सकते तो लाइन चले जाओ। एसडीएम डॉ. ललित कुमार को निर्देश दिया कि चार बजे के अंदर केस दर्ज कराकर मुझे अवगत कराएं। कोतवाल अगर मुकदमा दर्ज करने में आनाकानी करें तो इनकी खैर नहीं होगी। मुंडिली गांव से एक दिव्यांग व्यक्ति ने डीएम को शिकायती पत्र दिया और कहा मंदिर जाने वाले रास्ते पर कुछ लोग कब्जा कर लिए हैं। डीएम ने बीडीओ को फोन कर दो दिन के भीतर पुलिस बल लेकर अवैध कब्जा हटवा कर रास्ता बनाने को कहा। लोटन कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की एक युवती अपनी मां को लेकर थाना समाधान दिवस में डीएम के पास पहुंची। युवती ने बताया कि मेरी मां खेत गई थी। मैं घर पर अकेली थी। गांव का एक युवक आया और रेप कर चला गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने एसएचओ को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लोटन कोतवाली में पहली बार ऐसा हुआ है जब समाधान दिवस पर फरियादियों की लंबी कतार लग गई थी। थाना दिवस में अब तक सबसे अधिक 13 मामले आए थे। इस बार डीएम के आने से 36 मामले आए। पुलिस, राजस्व व अन्य विभाग से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए डुमरियागंज में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन एसडीएम डॉ. संजीव कुमार दीक्षित की अध्यक्षता में किया गया। यहां आएं दो मामलों का निस्तारण कर दिया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार यादव, एसआई उमेशधर द्विवेदी, चंद्रिका यादव, जितेंद्र यादव, अमरजीत यादव, मुनिल यादव आदि मौजूद रहे। वहीं भवानीगंज थाने में थानाध्यक्ष शमदेव की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। यहां एक भी मामला नहीं आया।

छात्र जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कॅरियर काउंसलिंग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए कॅरियर सेमिनार एवं ह्यूमैनिटीज विषयों की उपयोगिता पर एक गोष्ठी हुई। इसमें कक्षा आठ से 10 तक के छात्र–छात्राएं शामिल हुए। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ.एम खान ने कहा कि कॅरियर काउंसलिंग छात्र जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो विद्यार्थियों को सही कॅरियर चुनने और भविष्य में अपनी राह को लेकर स्पष्टता पाने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि उचित कॅरियर काउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थी उस क्षेत्र का चयन कर सकते हैं जो उनके कौशल और व्यक्तित्व के अनुकूल हो। जिससे भविष्य में कॅरियर बदलने की संभावनाएं भी कम हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर, इंजीनियर और वकील के अलावा भी कई ऐसे कॅरियर विकल्प मौजूद हैं, जिन्हें विद्यार्थी अपने भविष्य के लिए चुन सकते हैं। प्रधानाचार्य वैभव वांटू ने भी कॅरियर काउंसलिंग की महत्ता पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय की काउंसलर मानसी बैगल, शिक्षक अमित कुमार, फिरोज, अनुपम आदि मौजूद रहे।

सीमेंट का पोल टूटकर झुका, बदलवाने की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र के जबजौवा गांव में बीते तीन दिन पूर्व अज्ञात वाहन की ठोकर से सड़क किनारे लगा सीमेंट का एक पोल टूट कर झुक गया है। शिकायत के बावजूद अब तक पोल बदला नहीं जा सका है। विभागीय अधिकारियों से लोगों ने पोल बदलवाने की मांग की है। साकिब, हकीकुल्लाह, इमामुद्दीन, इजहार, अली, सोनू ने बताया कि जबजौवा गांव की बिजली आपूर्ति के लिए सड़क किनारे सीमेंट पोल लगा हुआ है।

जनपदीय योग प्रतियोगिता में शशि, हरीश कुमार रहे अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में शनिवार को जनपद स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में किया गया। योग प्रतियोगिता में जनपद के कर ब्लॉक से निर्धारित संख्या में शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। मूल्यांकन समिति के सदस्यों प्रोफेसर नवीन सिंह, डॉ रुव चंद्र यादव, नितिन कुमार और संध्या त्रिपाठी ने प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया। जिसमें पुरुष वर्ग में विक्रमजोत ब्लॉक के हरीश कुमार प्रथम, बस्ती सादर के कृष्ण कुमार द्वितीय तथा बनकटी ब्लाक के अमित कुमार तृतीय स्थान पर रहे।

महिला वर्ग में बनकटी ब्लाक की शशि प्रथम तथा कप्तानगंज ब्लाक की खुशबू वर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि संतुलित व्यक्तित्व और अच्छे स्वास्थ्य में योग की अहम भूमिका होती है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य योग को शिक्षकों और छात्रों के जीवन का अहम हिस्सा बनाना है। नोडल प्रवक्ता अमन सिंह द्वारा अष्टांग योग पर चर्चा किया गया।

जिला टीम से लेकर बूथ समितियों तक पुनः गठन करेगी भाजपा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। संगठन पर्व 2024 की अगली कड़ी को कार्य रूप देने के लिए 15 नवंबर तक मंडल स्तर की कार्यशाला आयोजित होगी। इसके बाद 30 नवंबर तक बूथ कमेटियों के गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फिर दिसंबर माह में मंडल अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ये जानकारी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य एवं जनपद के संगठन चुनाव अधिकारी पदम सेन चौधरी ने दी। वह शनिवार को भाजपा कार्यालय पर भाजपा के संगठन पर्व 2024 के अंतर्गत सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। इसलिए भाजपा का हर कार्यकर्ता अपने कार्य व्यवहार में संगठन को ही सर्वोपरि मानता है। बाकी दल जैसे कांग्रेस, सपा, बसपा एक परिवार से संचालित होने वाली पार्टियां हैं।

हे खग मृग हे मधुकर सैनी, तुम देखी सीता मृग नैनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म संस्था, बस्ती द्वारा बस्ती क्लब मे आयोजित श्री रामलीला महोत्सव के पंचम वर्ष की छठवें दिन की लीला में प्रथम भाग में जागरण पब्लिक स्कूल के बच्चों ने पंचवटी निवास, वनवासी जातियों को कृषि, शस्त्र, शास्त्र की शिक्षा, शुर्पणखा नासिका भंग, खर दूषण वध, सीता हरण, जटायु मरण, कबंध उद्धार करते हुये भगवान श्री राम जी भीलनी माता शबरी के आश्रम मे पहुँचते हैं और शबरी के जूठे बेर खाते हैं तक की लीला का मंचन किया। उसके पश्चात इंडियन पब्लिक स्कूल बच्चों ने श्री राम सुग्रीव मित्रता, बाली वध, वर्षा वर्णन, सीता माता की खोज, स्वयंप्रभा से भेंट, सम्पाती उद्धार से समुद्र तट पर विश्राम तक की लीला का बड़े ही वास्तविक ढंग से मंचन किया।

भगवान की आरती के साथ शुरू हुयी लीला में राकेश पाण्डेय, संयुक्त विकास आयुक्त– गोंडा, डॉ चंद्रप्रभा पाण्डेय, प्रेम श्रीवास्तव, श्री वीरेन्द्र सिंह, करुणासागर त्रिपाठी, कैलाश नाथ दूबे, हरि प्रसाद पाण्डेय, शेखर पाण्डेय, आर आर पाण्डेय, ए पी उपाध्याय, अशोक तिवारी, लीलावती शुक्ल ने आरती की।

लीला में दिखाया गया कि भगवान पर्णकुटी बनाकर पंचवटी में निवास करते हुये वनवासी जनजातियों को अस्त्र, शस्त्र, कृषि, सुंदर जीवन शैली, स्वाव्लम्बन की शिक्षा देते हैं, उनका शारीरिक सौष्ठव व उनके कला कौशल को देख दंडकारण्य वन की अधिष्ठात्री रावण की बहन शूर्पणखा उनके समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखती है किन्तु एक पत्नी व्रत का संकल्प लिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, लक्ष्मण व शूर्पणखा के बीच लम्बा संवाद होता है जिसपर लक्ष्मण जी द्वारा उसके नाक कान काट कर

अप्रत्यक्ष रूप से रावण को चुनौती देते हैं की अब अधर्म का नाश होना सुनिश्चित हो चुका।

व्यास राजा बाबू पाण्डेय आगे की लीला का सूत्रपात करते हुये दर्शकों से कहते हैं की– जिन्ह हरि भगति हृदयँ नहि आनी।

जीवत सव समान तेइ प्रानी।।

उन्होंने कहा की जो भी मनुष्य श्री हरि की भक्ति को अपने हृदय मे नही धारण करता वह जीवित रहते हुये भी शव के समान है।

आगे की लीला मे खर दूषण वध, सीता जी का हरण व जटायु मरण का दृश्य बहुत ही मार्मिक व सुंदर ढंग से जागरण पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस विद्यालय की लीला का विश्राम शबरी जी के आश्रम मे नवधा भक्ति के ज्ञान के साथ हुआ।

अनुसुईया जी, शूर्पणखा, जटायु और शबरी के पात्रों ने लोगों का मन मोह लिया, सीता जी व भगवान श्री राम का साधारण मनुष्य की भांति विलाप सुन दर्शकों की आंसू आ गये।

कथा व्यास राजाबाबू पाण्डेय जी ने सूत्रपात करते हुये कहा कि– आगे चले बहुरि रघुराया,

ऋष्यमूक पर्वत निअराया।

इंडियन पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा दिखाया गया कि भगवान श्री राम लक्ष्मण समेत सीता जी की खोज में ऋष्यमूक पर्वत पर पहुंचते हैं जहां बंदरों के राजा सुग्रीव निवास करते हैं, वो दोनों भाइयों के तेज को देख घबरा जाते हैं फिर वे हनुमानजी को उनका भेद लेने के लिए भेजते हैं। हनुमानजी एक ब्राह्मण के भेष में प्रभु की टोह लेने उनके पास जाते हैं प्रभु का परिचय रघुकुल नंदन श्री राम के रूप में जानने के बाद।

प्रभु पहिचानि परेउ गहि चरना,

सो सुत उमा जाड़ नहि बरना

हनुमानजी श्री राम जी के चरण में गिर पड़ते हैं क्षमा प्रार्थना कर दोनों भाइयों को अपने कंधों पर बिठा महाराज सुग्रीव के समीप लाते हैं। प्रभु का परिचय देकर वे सीता माता के अपहरण का पूरा वृतांत सुनाते है और अग्नि को साक्षी मान प्रभु श्री राम और सुग्रीव की मित्रता करवाते हैं। तब सुग्रीव उनको बताते हैं कि एक बार मंत्रियों के साथ बैठा था तब मैंने माता सीता को वायु मार्ग में किसी राक्षस द्वारा अपहरण कर ले जाते देखा था। माता ने हे राम कहते कुछ आभूषण यहां फेंके थे जिसे देख प्रभु भाव विह्वल हो जाते हैं सुग्रीव माता सीता को खोंजने में प्रभु की सहायता करने की शपथ लेते हैं। सुग्रीव अपने भाई बालि के भय का कारण बताते हैं प्रभु उनको आश्वस्त करते हैं कि वे बालि के भय से मुक्ति दिलाएंगे। प्रभु के आदेश पर वे बालि को युद्ध के लिए ललकारते हैं बालि सुग्रीव का भयंकर युद्ध होता है एक रूप होने के कारण प्रभु भ्रम में पड़ जाते हैं सुग्रीव पुनः शरणागत होते हैं अबकी बार प्रभु उन्हें माला पहनाकर भेजते हैं जिससे भ्रम रहित बालि का छिप कर संधान करते हैं बालि मरणासन अवस्था मे प्रभु से नीति विरुद्ध छिप कर प्राण हरण करने का कारण पूछते हैं तब प्रभु बताते हैं कि भाई की स्त्री, पुत्र की स्त्री और कन्या एक समान होती है इन पर कुदृष्टि डालने वाले के मारने में कोई भी पाप नही लगता। बाली का संधान कर सुग्रीव को उसका संचालन और बालि पुत्र अंगद को युवराज घोषित कर आशीष प्रदान करते हैं।

वर्षा ऋतु आ जाती है प्रभु प्रतिज्ञा के वशीभूत राज्य के बाहर ही वर्षा ऋतु बीत जाने की प्रतीक्षा करते है इधर सुग्रीव राज्य संचालन में अपनी प्रतिज्ञा को विस्मृत कर देते हैं तब बजरंग बली सुग्रीव को दिए वचन की सुधि दिलाकर वानरी सेना एकत्र करने का कार्य करते हैं। वानरी सेना एकत्र होती है और वे सभी दिशाओं में माता सीता की खोज में निकल पड़ते हैं।

उसके बाद आगे की यात्रा में उनकी भेंट स्वयंप्रभा से होती है जहां सब बंदर भालू जल पीकर प्यास बुझाते हैं।

हनुमानजी को समुद्र किनारे जटायु के भाई सम्पाती मिलते हैं वानरी सेना द्वारा जटायु की चर्चा सुन विह्वल हो जाते हैं और अपनी दिव्य दृष्टि से माता सीता का पता बताते हैं।इस प्रकार समुद्र तट पर ही जामवंत जी द्वारा हनुमानजी के बल का उन्हें याद दिलाया जाता है और वही पर हनुमानजी की आरती के साथ लीला का विश्राम होता है।

मंदिर और गोशालाओं में मनाई गई गोपाष्टमी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के विभिन्न मंदिरों और गोशालाओं में शनिवार को गोपाष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद ने केंद्र की मोदी सरकार से गोहत्या करने पर फांसी की सजा का प्रावधान किए जाने की मांग की। हनुमानगढ़ी की अंजनी गोशाला में बड़ी संख्या में रामनगरी के संत–महंतों ने गो–पूजन किया। कारसेवक पुरम की श्रीराम गोशाला में गोपाष्टमी पर सैकड़ों गोवंशों का वैदिक रीति से पूजन इंद्रदेव मिश्र के मार्गदर्शन में विहिप के केंद्रीय संयुक्त संगठन महामंत्री विनायक राव देश पांडेय ने किया।

इस अवसर पर विहिप के संगठन महामंत्री ने कहा कि गोवंशों को सुरक्षित रखने के लिए सरकारों को दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा। गोहत्या करने पर फांसी की सजा का प्रावधान होना चाहिए, तभी इस अमूल्य धरोहर को बचाया जा सकता है।

डाडिया मंदिर के महंत गिरीश दास ने गो पालन को पवित्र कार्य बताते हुए कहा कि गो आधारित कृषि ही हमारी मूल है। पूर्व में हम सभी गो सेवा को देवी–देवताओं की सेवा मानते रहे हैं। परिवार में मां के बाद किसी को दुग्धपान कराने का पवित्र स्थान प्राप्त है तो वह गो माता का है। यह देश के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

श्री राम गौशाला समिति के उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने देश की सभी राज्य सरकारों से अपील करते हुए कहा कि गोरक्षण के लिए गोशालाओं को हर तरह से सहयोग करें। शर्मा, केंद्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह पंकज, कारसेवक पुरम् प्रभारी शिवदास सिंह, उमेश पोडवाल, सह प्रबंधक शरद शर्मा, वीरेन्द्र कुमार, विभाग मंत्री धीरेश्वर वर्मा, व्यवस्था प्रमुख बालचंद वर्मा, राजेन्द्र वर्मा, वरुण राय, सुभाष पांडेय, अनिल पांडेय, पवन तिवारी, सविता, कमला देवी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न आनुषंगिक संगठन के सदस्यों ने गो वंश का श्रृंगार करके गुड़ और पुड़ियों का भोग लगाकर गो रक्षा और गो संवर्धन का संकल्प लिया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अमरेश पुत्र श्री राम अजोर ग्राम व पोस्ट–रूद्रनगर जनपद बस्ती का निवासी है। ड्राईविंग लाईसेन्स में त्रुटिवश मेरा नाम अजय कुमार पाण्डेय हो गया है जो गलत है। इसे सुधारकर अमरेश कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com